# पाठ्यक्रम

बिहार मुक्त विद्यालयी शिक्षण एवं परीक्षा बोर्ड उन सभी को माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक स्तर तक की शिक्षा के अवसर प्रदान करता है जो विभिन्न कारणों से विद्यालयी शिक्षा पूरी नहीं कर पाए हैं। यह संस्थान ऐसे शिक्षार्थियों की जरूरतों को पूरा करने के लिए जीवन उपयोगी पाठ्यक्रम चलाता है। उपर्युक्त धारणा को ध्यान में रखते हुए ही निम्नलिखित पाठ्यक्रम प्रारम्भ किये गये है जो इस सत्र 2011-12 से ही लागू रहेंगे।

## पाठ्यक्रम तथा कार्यक्रम का संक्षिप्त विवरण

बिहार मुक्त विद्यालयी शिक्षण एवं परीक्षा बोर्ड, बिहार विद्यालय परीक्षा समिति, एन.आई.ओ.एस. नोएडा, सी.बी. एस.ईनई दिल्ली अथवा अन्य राज्यों के शिक्षा बोर्डो की तरह एक बोर्ड है। वर्तमान में बिहार मुक्त विद्यालयी शिक्षण एवं परीक्षा बोर्ड, पटना में निम्नांकित पाठ्यक्रम प्रारम्भ किये गये हैं

- कक्षा 10 के लिए माध्यमिक पाठ्यक्रम
- कक्षा 12 के लिए उच्च माध्यमिक पाठ्यक्रम

माध्यमिक पाठ्यक्रम के लिए न्यूनतम आयु 14 वर्ष उच्च माध्यमिक पाठ्यक्रम के लिए न्यूनतम आयु 15 वर्ष

## माध्यमिक पाठ्यक्रम

यह पाठ्यक्रम दसवीं कक्षा के लिए निर्धारित है। माध्यमिक पाठ्यक्रम के 18 विषयों में से किसी भी 5 विषयों के चयन की सुविधा है। इसमें निम्नलिखित पात्रता वाले शिक्षार्थी प्रवेश/पंजीकरण के योग्य हैं।

## न्यूनतम आयु :

प्रवेश के समय माध्यमिक पाठ्यक्रम हेतु न्यूनतम आयु 1 जुलाई को 14 वर्ष पूर्ण होनी आवश्यक है जबकि प्रवेश के लिए अधिकतम आयु–सीमा नहीं है।

## न्यूनतम शैक्षिक योग्यता :

नवीं एवं इससे पूर्व की किसी भी कक्षा में उत्तीर्ण/अनुत्तीर्ण तथा माध्यमिक कक्षा अनुत्तीर्ण शिक्षार्थी प्रवेश के पात्र हैं। अथवा ऐसे शिक्षार्थी जो विद्यालयी शिक्षा से वंचित रहें है, वे स्व–अध्ययन का प्रमाण पत्र संलग्न कर प्रवेश के पात्र हैं।

## उच्च माध्यमिक पाठ्यक्रम

बारहवीं कक्षा के लिए निर्धारित इस पाठ्यक्रम के अन्तर्गत 28 विषयों में से किसी भी 5 विषयों के चयन की सुविधा है। इसमें निम्नलिखित पात्रता वाले शिक्षार्थी प्रवेश/पंजीकरण के योग्य हैं।

### □ न्यूनतम आयु :

प्रवेश के समय उच्च माध्यमिक पाठ्यक्रम हेतु न्यूनतम आयु 1 जुलाई को 15 वर्ष पूर्ण होनी आवश्यक है जबकि प्रवेश के लिए अधिकतम आयु-सीमा नहीं है।

### □ न्यूनतम शैक्षिक योग्यता :

बिहार विद्यालय परीक्षा समिति, बिहार पटना एवं अन्य मान्यता प्राप्त बोर्ड से माध्यमिक अथवा हाई स्कूल परीक्षा उत्तीण्ऱ्ञ का प्रमाण-पत्र आवश्यक है। उच्च माध्यमिक पाठ्यक्रम हेतु आयु का कोई भी अन्य प्रमाण-पत्र मान्य नहीं है।

**नोटः** माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक पाठ्यक्रम हेतु आयु एवं शैक्षिक योग्यता सम्बन्धी प्रमाण-पत्र तालिका-2 (क, ख) के अनुसार संलग्न करें।

## माध्यमिक पाठ्यक्रम

यह पाठ्यक्रम दसवीं कक्षा के लिए निर्धारित है। माध्यमिक पाठ्यक्रम के 18 विषयों में से विषय का चयन तालिका-1 में दिए गए विषयों में से किया जा सकता है।

• प्रमाण-पत्र प्राप्त करने के लिए कम से कम पाँच विषयों में उत्तीर्ण होना जरूरी हे जिसमें ग्रुप 'अ' से एक अथवा दो भाषाएँ और शेष विषय ग्रुप 'ब' से चुनें।

• किसी ग्रुप से दो अतिरिक्त विषय अथवा दोनों ग्रुप में से एक-एक अतिरिक्त विषय भी ले सकते हैं।

• भाषा का कोई भी तीसरा विषय अतिरिक्त विषय के रूप में ही लिया जा सकता है। इस प्रकार अधिकतम सात विषयों का चयन कर सकते हैं।

## तालिका-1

| माध्यमिक स्तर | | | |
|---|---|---|---|
| समूह ( ग्रुप ) 'अ' | | समूह ( ग्रुप ) 'ब' | |
| कोड | विषय | कोड | विषय |
| (201) | हिन्दी | (215) | गणित |
| (202) | अंग्रेजी | (216) | विज्ञान* |
| (203) | उर्दू | (217) | सामाजिक विज्ञान |
| (204) | संस्कृत | (218) | योग एवं शारीरिक शिक्षा* |
| (205) | भोजपुरी | (219) | व्यवसाय अध्ययन |
| (206) | मैथिली | (220) | गृह विज्ञान* |
| (207) | बंग्ला | (221) | बेसिक कम्प्यूटर* |
| (208) | अरबी | (222) | भारतीय संस्कृतिक तथा विरासत |
| (209) | फारसी | (223) | चित्रकला* |

## उच्च माध्यमिक पाठ्यक्रम

यह पाठ्यक्रम उन शिक्षार्थियों के लिए है जो दसवीं परीक्षा अथवा उसके समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके हैं और उच्च माध्यमिक (बारहवीं) का प्रमाणपत्र प्राप्त करने के लिए अध्ययन जारी रखना चाहते हैं। उच्च मध्यमिक पाठ्यक्रम के 28 विषयों में से विषय का चयन तालिका-1 में दिए गए विषयों में से किया जा सकता है।

• प्रमाणपत्र प्राप्त करने के लिए कम से कम पाँच विषयों में उत्तीर्ण होना जरूरी है। जिसमें ग्रुप **'अ'** में से कम से कम **एक** भाषा अथवा अधिकतम **दो** भाषाएँ और शेष विषय ग्रुप **'ब'** में से चुनें।

• किसी भी ग्रुप से दो अतिरिक्त विषय अथवा दोनों ग्रुप में से एक-एक अतिरिक्त विषय भी ले सकते हैं।

• भाषा का कोई भी तीसरा विषय अतिरिक्त विषय के रूप में ही लिया जा सकता है।

• अधिकतम **सात** विषयों का चयन सकते हैं।

## तालिका-२

| उच्च माध्यमिक स्तर | | | |
|---|---|---|---|
| **समूह ( ग्रुप ) 'अ'** | | **समूह ( ग्रुप ) 'ब'** | |
| **कोड** | **विषय** | **कोड** | **विषय** |
| (301) | हिन्दी | (310) | गणित |
| (302) | अंग्रेजी | (311) | भौतिक विज्ञान* |
| (303) | संस्कृत | (312) | रसायन विज्ञान* |
| (304) | उर्दू | (313) | जीव विज्ञान* |
| (305) | भोजपुरी | (314) | इतिहास |
| (306) | मैथिली | (315) | भूगोल* |
| (307) | बंग्ला | (316) | राजनीति विज्ञान |
| (308) | अरबी | (317) | अर्थशास्त्र |
| (309) | मगही | (318) | व्यवसाय अध्ययन |
| | | (319) | लेखाशास्त्र |
| | | (320) | गृह विज्ञान* |
| | | (321) | मनोविज्ञान* |
| | | (322) | कम्प्यूटर विज्ञान* |
| | | (323) | समाज शास्त्र |
| | | (324) | शिक्षा |
| | | (325) | दर्शन शास्त्र |
| | | (326) | चित्रकला* |
| | | (327) | संगीत* |
| | | (328) | योग एवं शारीरिक शिक्षा* |

**नोट :**

(i) स्टार (*) द्वारा दर्शाये गये विषयों में सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक दोनों परीक्षाएँ हैं।

(ii) पंजीयन के पाँच विषयों में से यदि तीन विषय भाषा से सम्बन्धित, होगें तो शिक्षार्थी का परीक्षा परिणाम रोक लिया जाएगा।

## पाठ्यक्रमों में विषय चयन

विषयों का चयन बहुत सावधानी से जीवन की भावी योजना, उच्च शिक्षा तथा रोजगार आदि को ध्यान में रखते हुए करना चाहिए। बिहार मुक्त विद्यालयी शिक्षण एवं परीक्षा बोर्ड के प्रमाणपत्र से उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए यह जरूरी है कि जिस बोर्ड/विश्वविद्यालय में प्रवेश प्राप्त करना चाहते हैं, उसकी शर्तो को ध्यान में रखते हुए विषयों का चयन करें। जैसे-कुछ बोर्ड/विश्वविद्यालय अपनी संस्थाओं में प्रवेश के लिए कुछ विशेष विषयों का संयोजन मांगते हैं। उदाहरण के लिए मेडिकल पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान और भौतिकी के साथ दो भाषाओं का विषय संयोजन आवश्यक है। इसी प्रकार इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम में प्रवेश लेना चाहते हैं तो जीव विज्ञान के स्थान पर गणित विषय लेना अनिवार्य है।

बिहार मुक्त विद्यालयी शिक्षण एवं परीक्षा बोर्ड शिक्षा प्राप्त करने की स्वतंत्रता में विश्वास करता है। आप अपनी पसंद के क्षेत्र में अपना विकास कर सकते हैं। उदाहरण के तौर पर माध्यमिक स्तर पर अर्थशास्त्र और व्यवसाय अध्ययन की पढ़ाई कर सकते हैं। उच्च माध्यमिक स्तर पर यदि भौतिकी और इतिहास दोनों विषयों में समान रूचि रखते हैं, तो इन दोनों विषयों का चयन कर सकते हैं। आंशिक प्रवेश में भी विषयों का चयन दी गई तालिका-1 में से ही करें। प्रवेश लेने के बाद चयनित विषयों में प्रथम वर्ष में कोई परिवर्तन नहीं किया जाएगा।